

माई आये तुम्हारे द्वार. बनी ऊँची सिड़िया
आये-आये तुम्हारे द्वार बनी ऊँची सिड़िया

माई आये---

आये. आये-----

आल्हा खों तुमने. अमर वर दीन्हा. ॥२॥
तुम्हें भज रहे बारम्बार

बनी ऊँची-----

बन गओ ऊँचो. सिंगासन तेरो ॥२॥
सुनो शारद मेरी पुकार

बनी ऊँची-----

सिद्ध पीठ- अति सुन्दर लागे ॥२॥
रहे चरण तुम्हारे निहार

बनी ऊँची-----

द्वार तुम्हारे मेला भरो है ॥२॥
मैया ! हो रही जै- जैकार

बनी ऊँची-----

दास "श्री बाबा श्री" गहें- चरण तुम्हारे ॥२॥
कर दो मन्त्र- उद्धार

बनी ऊँची-----